महत्वपूर्ण अंक

देवेन्द्र मेवाड़ी जी की आमुख कथा 'आबोहवा को क्या हो गया है' में प्रकृति के साथ छेड़खानी, जलवायु एवं ग्लोबल वार्मिंग ध्यान देने योग्य विषय है तथा इनसे परस्पर सीखने की जरूरत है। आइये हम सभी 'मिजाज-ए-मौसम' को समझने की कोशिश करें। सरोवर विज्ञान की महत्ता एवं औद्योगिकीकरण के वर्तमान समय में 'पानी की शुद्धता' प्रयास के सन्दर्भ में सामूहिक कदम उठाना आवश्यक है। 'ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव' द्वारा अखिलेश आर्येन्दु जी अपने पत्रकारिता के अनुभव को दर्शाते नजर आये। 'आवर्त सारणी में जुड़े चार नए तत्व' लेख द्वारा शुभदा कपिल जी इसी तरह प्रतियोगियों एवं प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करती रहेंगी, ऐसा विश्वास है। 'मानव विहीन पृथ्वी' की रक्षा के लिए दृढ़ निश्चय एवं संकल्प के साथ 'अपना' योगदान करना चाहिए। 'वर्ग पहेली' एवं 'भारत के राष्ट्रीय उद्यान', 'विज्ञान कविता' अपने स्थायित्व एवं महत्ता के साथ आगे भी चलता रहेगा।

इसी आशा और विश्वास के साथ.....

श्री देवेश त्रिपाठी, ग्राम व पोस्ट-मेंहदूपार जिला- संतकबीरनगर (उ.प्र.) 272154
[मो. : 09161008183]

प्रतियोगी दृष्टिकोण से उपयोगी

मैं एक हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र से जुड़ा हूँ और जर्नलिज्म एण्ड मास कम्यूनिकेशन विषय से यूजीसी नेट की तैयारी कर रहा हूँ। फरवरी 2016 के 'विज्ञान प्रगति' का विशेष लेख 'रेडियो की दुनिया' में रेडियो से जुड़ी सभी जानकारियों का समावेश प्रतियोगी दृष्टिकोण से स्मरणीय रहा।

रेडियो के स्टूडियो से लेकर रेडियो प्रसारण के तकनीकी पहलुओं, प्रसारण के प्रकार, विद्युत चुम्बकीय तरंग का संचरण, आयाम मॉडुलन व आवृत्ति मॉडुलन (एफ एम) और डिजिटल रेडियो प्रसारण आदि की विस्तृत रूप से सचित्र जानकारी मिली। साथ ही स्टूडियो के उपकरण, स्टूडियो केन्द्र से प्रसारण केन्द्र को भेजने, उपग्रह का रेडियो प्रसारण आदि के बारे में भी बड़ी ही सहजता के साथ बताया गया।

श्री अतुल कुमार यादव, छोटा बघाड़ा, प्रयाग, इलाहाबाद 211002 (उ.प्र.)
[ई-मेल : editorial.atul@gmail.com]

ज्ञानवर्द्धक पत्रिका

फरवरी 2016 में देवेन्द्र मेवाड़ी जी की आमुख कथा 'आबोहवा को क्या हो गया है' तथा जलवायु परिवर्तन एवं प्रकृति एवं उनके तथ्यों को समझने एवं स्मरण करने का अवसर प्राप्त हुआ। अखिलेश आर्येन्दु जी का ग्लोबल वार्मिंग पर लेख अत्यन्त महत्वपूर्ण लगा। शुभदा कपिल जी द्वारा लिखित 'आवर्त सारणी में जुड़े ये चार नये तत्व' नामक नवीन जानकारी नवीन एवं जानकारी युक्त लगी। आशा है आप इसी प्रकार हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।

श्री मयंक त्रिपाठी, सुपुत्र श्री शशि भवन त्रिपाठी, ग्राम पोस्ट- मेंहदूपार, जनपद-संतकबीरनगर 272154 (उ.प्र.)

(फार्म IV)

विज्ञान प्रगति के स्वामित्व और प्रकाशन से संबंधित सूचना प्रपत्र

(नियम 8 देखिए)

1.	प्रकाशन का स्थान	नई दिल्ली
2.	प्रकाशन की अवधि	मासिक
3.	मुद्रक का नाम व राष्ट्रीयता पता	दीक्षा बिष्ट, भारतीय सीएसआईआर - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान डॉ के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली 110012
4.	प्रकाशक का नाम व राष्ट्रीयता पता	दीक्षा बिष्ट, भारतीय सीएसआईआर - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान डॉ के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली 110012
5.	संपादक का नाम व राष्ट्रीयता पता	बालकराम, भारतीय सीएसआईआर - राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान डॉ के. एस. कृष्णन् मार्ग नई दिल्ली 110012
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्रिका के स्वामी, साझेदार और शेयर होल्डर हों, जो कुल पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार हों।	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् (सीएसआईआर) का प्रकाशन

मैं घोषणा करती हूँ कि उक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास में सत्य है।

हस्ताक्षर
(दीक्षा बिष्ट)

1 मार्च, 2016

प्रकाशक